मेरा बचपन

सुभद्राकुमारी चौहान

बार-बार आती है मुझको
मधुर याद, बचपन तेरी ।
गया, ले गया तू जीवन की
सबसे मस्त खुशी मेरी ।

चिंता रहित खेलना खाना
वह फिरना निर्भय स्वच्छंद ।
कैसे भुला जा सकता है
बचपन का अतुलित आनंद ।

किये दूध के कुल्ले मैंने
चूस अँगूठा सुधा पीया ।
किलकारी कल्लोल मचाकर
सूना घर आबाद किया ।

मैं रोई, माँ काम छोड़कर
आई, मुझको उठा लिया ।
झाड़-पोंछकर चुम-चुम
गीले गालों को सुखा दिया ।

आ जा बचपन ! एक बार फिर
दे दे अपनी निर्मल शांति ।
व्याकुल व्यथा मिटाने वाली
वह अपनी प्राकृतिक विश्रांति ।

मैं बचपन को बुला रही थी
बोल उठी बिटिया मेरी ।
नंदनवन-सी फूल उठी
यह छोटी-सी कुटिया मेरी ।

'माँओ' कहकर बुला रही थी
मिट्टी खाकर आई थी ।
कुछ मुँह में, कुछ लिए हाथ में
मुझे खिलाने आई थी ।

मैंने पूछा, ''यह क्या लाई ?''
बोल उठी वह, ''माँ काओ ।''
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से
मैंने कहा-तुम ही खाओ ।

पाया मैंने बचपन फिर से
बचपन बेटी बन आया ।
उसकी मंजुल मूर्ति देखकर
मुझमें नवजीवन आया ।

जिसे खोजती थी बरसों से
अब जाकर उसको पाया ।
भाग गया था, मुझे छोड़कर
वह बचपन फिर से आया ।

शब्दार्थ :

मस्त - लापरवाह;
निर्मल - स्वच्छ;
निर्भय - भय रहित;
व्याकुल - बेचैन;
स्वच्छन्द - स्वाधीन;
व्यथा - दुःख, परेशानी;
अतुलित - अपार, बेहिसाब;
प्राकृतिक - स्वाभाविक;
सुधा - अमृत;
विश्रान्ति - विश्राम, आराम;
कल्लोल - मौज, क्रीड़ा;
नन्दन वन - नंदन नाम के इंद्र देवता का वन, इंद्र का उद्यान;
किलकारी - अत्यंत हर्षित होकर निकलने वाली अस्पष्ट ध्वनि;
प्रफुल्लित - आनंदित;
आबाद करना - बसाना;
मंजुल - मनोहर

अनुशीलनी

१. सोचो और लिखो :

(i) कवयित्री को बार बार किसकी मधुर याद आती है ?

(ii) कवयित्री बचपन की किन किन बातों को भूल नहीं सकती ।

(iii) कवयित्री ने सूने धर को कैसे आबाद किया ?

(iv) बच्चे के रोने पर माँ क्या करती थी ?

(v) कवयित्री के जीवन में कौन बचपन बनकर आई ?

(vi) बच्चे के बुलाने पर माँ की छोटी-सी कुटिया कैसे भर उठी ?

(vii) कवयित्री अपने बचपन को कैसे फिर से प्राप्त करती है ?

२. एक शब्द में उत्तर दो : -

(i) बार बार मधुर याद किसको आती है ?

(ii) किसका अतुलित आनंद भुला नहीं जा सकता ?

(iii) मैं रोई तो कौन काम छोड़कर आई ?

(iv) कवयित्री बचपन से किस प्रकार की शांति माँगती है ?

(v) बचपन क्या बनकर आता है ?

३. निम्नलिखित पंक्तियाँ पूरी करो :

(I) कैसे भुला जा सकता है

..... ।

(ii) किलकारी कल्लोल मचाकर

..... ।

(iii) झाड़-पोंछ कर चुम-चुम कर

..... ।

(iv) नन्दन बन- फूल उठी

..... ।

(v) उसकी मंजुल मूर्ति देखकर

..... ।

४. निम्नलिखित में से विशेषण शब्दों को छाँट कर लिखो:

मधुर याद = मधुर

मस्त खुशी = ...

अतुलित आनंद =.....

सूना घर =.....

गीले गाल =.....

प्राकृतिक विश्रांति =.....

प्रफुल्लित हृदय =.....

मंजुल मूर्ति =.....

५. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखो :

मंजुल = सुन्दर, मनोहर

सुधा =

आनंद =

व्यथा =

कुटिया =

❖ ❖ ❖